महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

गांधी का संपूर्ण जीवन योगमय था: प्रो. आर. के. गुप्ता

वर्धा, दि. 01 जुलै 2021 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में संबोधित करते हुए शासकीय पी जी कॉलेज श्रीदेवसुमन उत्तराखण्ड के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी का संपूर्ण जीवन ही योगमय था. गांधी जी उच्च कोटि के योग अध्येता तथा योग अभ्यासी थे. प्रो. गुप्ता शुक्रवार को (25 जून) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के संस्कृति और साहित्य विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में 'गांधी जीवन में

योगिक चेतना' विषय पर तरंगाधारित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे. योग सप्ताह के उपलक्ष्य में यह व्याख्यान आयोजित किया गया था. उन्होंने योग की व्याख्या करते हुए उसे गांधी जी के जीवन से जोडकर विभिन्न प्रकार के योग की चर्चा की. गांधी जी और योग के संबंध को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी का जीवन अहिंसक था. उन्होंने सत्य का प्रतिपादन किया और ब्रह्मचर्य का पालन किया. उनकी संकल्पशक्ति अद्वितीय थी. गांधी जी ने अनुभूति के स्तर पर संपूर्णस्वास्थ्य का अनुभव अपने जीवन में किया.

अध्यक्षीय उदबोधन में प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट ने ध्यान, धारणा और समाधि के संदर्भ में गांधी जी के मौन व्रत का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि गांधी जी के अनेक प्रयोगों से पता चलता है कि उनका जीवन यौगिक चेतना से परिपूर्ण था. कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने किया। प्रास्ताविक गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज राय ने किया. संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जगदीश नारायण तिवारी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संचालन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र ने किया तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. चित्रा माली ने धन्यवाद ज्ञापित किया. कार्यक्रम में

अध्यापक, शोधार्थी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में सहभागी हुए. इस अवसर पर साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.अवधेश कुमार सहित अध्यापक प्रमुखता से उपस्थित हुए।

गांधीजींचे संपूर्ण जीवन योगमय होते : प्रो. आर. के. गुप्ता

वर्धा : महात्मा गांधी यांचे संपूर्ण जीवन योगमय होते व ते उच्च कोटिचे योग अध्येता तथा योगाभ्यासक होते असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात शासकीय पी. जी कॉलेज श्रीदेवसुमन उत्तराखण्ड के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता यांनी एका व्याख्यानात केले. विश्वविद्यालयातील संस्कृती व साहित्य विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'गांधीजींच्या जीवनात योगिक चेतना' या विषयावर तरंगाधारित व्याख्यानात मुख्य वक्ता म्हणून बोलतांना ते म्हणाले की गांधीजींचे जीवन अहिंसक होते. त्यांनी सत्याचे प्रतिपादन केले. गांधीजींची संकल्पशक्ती अद्वितीय होती. त्यांनी अनुभूतीतून संपूर्ण स्वास्थ्याचा अनुभव आपल्या जीवनात केला असेही ते म्हणाले. सप्ताहानिमित्त या व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले होते.

अध्यक्षीय भाषणात प्र-कुलगुरु प्रो. चंद्रकांत रागीट यांनी ध्यान, धारणा व समाधी यांच्या संदर्भात गांधीजींच्या मौन व्रताचा उल्लेख केला. त्यांच्या अनेक प्रयोगातून दिसून येते की त्यांचे जीवन यौगिक चेतनेने परिपूर्ण होते असे ते म्हणाले. यावेळी स्वागत संस्कृती विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी यांनी केले. प्रास्ताविक गांधी व शांती अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष डॉ. मनोज राय यांनी केले तर संस्कृत विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. जगदीश नारायण तिवारी यांनी मंगलाचरण सादर केले कार्यक्रमाचे संचालन गांधी व शांती अध्ययन विभागाचे असोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र यांनी केले तर आभार सहायक प्रोफेसर डॉ. चित्रा माली यांनी मानले. कार्यक्रमात अध्यापक, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने सहभागी झाले होते.